भजन

तेरे दर से ना हटेगें ,ये फैसला हमारा
सजदा कबूल कर लो,अब तो पिया हमारा

1–रूख से हटा दो परदा,जलवा जरा दिखा दो
हो रूबरू से बातें, ऐसी झलक दिखा दो
ना मानो ये अर्ज तो ,क्या प्यार है तुम्हारा

2–होती है पूरी इच्छा ,जिसने भी सर झुकाया
लौटा कभी ना खाली, तेरे दर पे जो भी आया
ना मांगें कुछ दुनी का, चरणो में दो सहारा

3–पर्दा ना हो जो सामने, हम तुम जुदा नही है
या आज हम ना होगें, या पर्दा ये नही है
जलवे तो देखे और भी, देखा ना ये नजारा